MR. SPEAKER : I am not going to postpone the question hour.

SHRI R. S. PANDEY (Rajnandgaon) : I had tabled the question. But they are speaking on my behalf.

SHRI J. M. GOWDER : Who is he to ask that ?

SHRI R. S. PANDEY : Whether to use the words 'Raksha Mantri' or 'Defence Minister' is my privilege. But they are protesting.

Prashna pratham. (Interruptions).

SHRIMATI INDIRA GANDHI : Shri Manoharan has accepted my proposal. So I would make this appeal to the House : let us go through the question hour now and then we can discuss this matter; actually there is very little time left of the question hour.

SHRI JYOTIRMOY BOSU (Diamond Harbour) : Let it be in the old form.

SHRIMATI INDIRA GANDHI : The question of form does not arise. The hon. Speaker takes only the number of the questions. It is in the old form in that sense.

MR. SPEAKER : Question No. 1.

SHRI K. BALAKRISHNAN (Ambalapuzha) : On a point of order. I am an elected member of this House. Am I not expected to know what is happening in this House ?

SHRI S. M. BANERJEE : Let him ask somebody else to tell him.

SHRI R. S. PANDEY : *Prashna pratham.*

SHRI JAGJIWAN RAM : *rose—*

SHRI J. M. GOWDER : *Inda Mantri Perenna ?*

SHRI JAGJIWAN RAM : I am the Defence Minister.

ORAL ANSWER TO QUESTION

Heavy Movement and Concentration of Pakistani forces on Indo-Pakistan Borders

+

*1. SHRI R. S. PANDEY :
SHRI S. M. KRISHNA :

Will the RAKSHA MANTRI be pleased to state :

(a) whether there has been heavy movement and concentration of Pakistani forces on different sectors of the Indo-Pakistan border during the recent past;

(b) whether Pakistani Forces are indulging in provocative actions and making intrusions into the Indian territory; and

(c) if so, the details thereof and whether necessary steps have been taken by Government to meet the situation created by Pakistan on the border ?

RAKSHA MANTRI (SHRI JAGJIWAN RAM) : (a) to (c). No abnormal movement or concentration of Pakistani troops has been noticed along the Indo-Pakistan border. Unusual activity by West Pakistani troops has, however, been noticed along some sectors of the border with East Bangal. Pakistani forces have intruded into Indian territory on 7 occasions since 25th March in the Eastern Sectors. There have been 43 incidents of firing across the border and 3 cases of kidnapping. There have also been 16 air violations by Pakistani aircrafts. 19 protests have been lodged with the Government of Pakistan on these incidents. Our Security Forces are maintaining constant vigil on the borders and have instructions to take appropriate action against Pakistani intrusions.

श्री राम सहाय पांडे : अध्यक्ष महोदय, रक्षा मंत्री जी ने अपने उत्तर में पाकिस्तान द्वारा हो रहे आक्रमण का जिक्र किया है। मैं उन से यह जानना चाहता हूँ कि पाकिस्तान की रेगुलर आर्मी ने जब हमारे पूर्वी क्षेत्र में सात बार आक्रमण किया, तो हमने उसका

क्या उत्तर दिया। क्या यह अन्तर्राष्ट्रीय कानून की अवहेलना नहीं है? क्या यह भारतीय सार्वभौमिक सत्ता का अपमान नहीं है और यदि यह सब ठीक है तो हमने सैनिक कार्यवाही क्या की, हमने अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में क्या शिकायत की और हमें यह भी जानने की इच्छा है कि यदि इस प्रकार के आक्रमण होते रहेंगे तो क्या बोर्डर सैक्योरिटी फोर्स स्थिति का मुकाबला करने के लिए सक्षम है? यदि नहीं तो शठं प्रति शाठ्यं समाचरेत के आधार पर क्या पाकिस्तान की जो रेगुलर आर्मी है, उसके मुकाबिले में हम अपनी रेगुलर आर्मी को तैनात नहीं करेंगे? नहीं करेंगे तो क्यों नहीं करेंगे?

श्री जगजीवन राम: सदस्य महोदय के प्रश्न के पूर्वार्द्ध का उत्तर मूल उत्तर में ही सन्निहित है। यह मैं अवश्य कहना चाहता हूँ कि जो कुछ हमारी पूर्वी सरहद पर हो रहा है, उसको पूर्वी बंगाल या बंगला देश में जो कुछ हो रहा है, उसके संदर्भ में देखना चाहिए, उस से अलग करके हम इस प्रश्न को नहीं देख सकते। सदन को मालूम है कि बंगला देश के लोगों ने अपनी स्वाधीनता के लिए संकल्प किया। यह भी सदन को मालूम है कि जब वहाँ के लोग अपनी प्रतिज्ञा को कार्य-रूप में परिणित करने के लिए कटिबद्ध हुए तो पाकिस्तान का आक्रमण हुआ और वहाँ पर ईस्ट पाकिस्तान राइफल, ईस्ट बंगाल रेजिमेंट और बंगला देश के देशभक्त लोगों ने पाकिस्तान के इन सैनिकों का विरोध किया, मुकाबिला किया, संघर्ष हुआ, लड़ाई हुई। यह भी सही बात है कि पाकिस्तान की शक्ति के सामने बहुत दिन तक यह डट कर सफल नहीं हो पाए। कुछ पीछे हटे और सैनिकों के द्वारा जब इनके ऊपर बर्बतापूर्ण आक्रमण हुआ तो हमारे देश में शरण और पनाह ली। ऐसी हालत में भी उनके ऊपर गोलियाँ चलीं। कुछ लोग दौड़ते हुए यहाँ पर आ गये। जैसा मैंने कहा है कि अन्तर्राष्ट्रीय तरीके से इसका प्रतिरोध पाकिस्तान के पास भेजा गया है। यह मैं सदन को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि हमारी सरहद पर जो हमारी सिक्योरिटी फोर्सेज हैं वह हमारी सरहदों की रक्षा के लिए पर्याप्त हैं और जैसा मौका आएगा, उसके मुताबिक वह इंट्रूजन का मुकाबिला करने के लिए कदम उठाएंगी।

श्री राम सहाय पांडे: मैं रक्षा मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या उनका ध्यान आसाम के मुख्य मंत्री द्वारा दिये गये वक्तव्य की ओर गया है जो उन्होंने विधान सभा के सदन में दिया था कि करीमगंज क्षेत्र में विशेषकर पाकिस्तान आर्मी का बड़ा भारी कंसंट्रेशन हो रहा है। उस कंसंट्रेशन से वहाँ जो खतरा पैदा हो गया है, उसकी तरफ भी उन्होंने इशारा किया, अगर यह सच है तो फिर यह जो भारी कंसंट्रेशन हो रहा है, उसको देखते हुए मैं उसी प्रश्न को दोबारा दोहराना चाहता हूँ कि क्या सिक्योरिटी फोर्स के स्थान पर रेगुलर आर्मी को भेजने की व्यवस्था करेंगे?

श्री जगजीवन राम: जैसा मैंने कहा, मैं स्वयं परसों करीमगंज में था, वहाँ जो शरणार्थी आए हैं उनकी हालत देखने के लिए मैं वहाँ गया था। करीमगंज शहर की एक सरहद हमारे हिन्दुस्तान में है, दूसरा छोर नदी के किनारे पाकिस्तान में है···

श्री समर गुह: बंगला देश में है, पाकिस्तान में नहीं है।

श्री जगजीवन राम: अच्छा मैं संशोधन को स्वीकार करता हूँ। ईस्ट बंगाल में है। पाकिस्तान की फौज की तरफ से यह प्रयत्न हो रहा है कि जो बोर्डर पोस्ट है, वहाँ पर वह कुछ सैनिक रख रहे हैं। जब बोर्डर पोस्ट पर सैनिक रखते हैं तो थोड़े नहीं रख सकते। उन को कम से कम एक कम्पनी या इस तरह से रखनी पड़ेगी क्योंकि बराबर उनको इस बात

का खतरा लगा हुआ है कि बंगला देश के देश-भक्त उनका मुकाबिला करते रहेंगे। इसलिए जब कभी बोर्डर पोस्ट पर पाकिस्तान सैनिक रखेगा तो पर्याप्त संख्या में रखेगा क्योंकि बराबर उसे खतरा है बंगला देश के देशभक्त लोगों से जो अपनी स्वाधीनता के लिए सिर हथेली पर रख कर चल रहे हैं, वह चुपचाप बैठने वाले नहीं हैं। लेकिन जैसा मैंने कहा हमारी सरहद के दूसरी तरफ जो कुछ विरोधी देशों की सेनाओं का संचालन होता है, उसका हम बराबर ध्यान रखते हैं और अपनी सरहद के इस तरफ हम जरूरी इंतजाम करते हैं।

SHRI S. M. KRISHNA : Sir, the hon. Defence Minister has grudgingly conceded that feverish activities, almost on a war footing, are taking place on our borders, I would like to know from the hon. Minister if it has come to the notice of the Ministry that the regular Pakistani army have replaced the Pakistani Rangers who were on the borders.

Secondly, the digging of trenches and construction of bunkers have been going on on a a war footing on the eastern sector. And added to it, there is the recent pronouncement of the Martial Law Adminstration, clamping night curfew in a five-mile belt all along the border, compelling the civilians to evacuate, so that army personnel could take over those areas. So, in view of all these activities, I would like to have an assurance from the hon. Defence Minister, to the nation, that the borders would be adequately taken care of and all those activities would be met with equally forceful activities from our armed forces.

SHRI JAGJIWAN RAM : I have nothing new to add. As I have said, so far as the western sector of Pakistan is concerned, there has been no unusual movement on that side. When the Pakistan armies are posted near the border, in the normal course, there are certain movements; there are certain repairs of there bunkers or roads on that side of the border. That does not cause much anxiety. So far as the eastern border is concerned, there has been concentration of Pakistani army there and on the eastern border, as the House is aware. East Pakistan Rifles were guarding the border between India and East Bengal. And naturally, when the fight for freedom started there, the spearhed of that freedom fight was the East Pakistan Rifles and the East Bengal Regiment. Naturally, Pakistan has replaced the East Pakistan Rifles with regular army of Pakistan. That fact is known to us, and as I have said, further movements of the army of that country taking place across the border are taken note of and necessary capabilities are created on this side of the border.

SOME HON. MEMBERS *rose*—

MR. SPEAKER : Order, order.

SHRI K. BALAKRISHNAN : Sir, I raise a point of order. Is there any Parliament in the world where defence matters are discussed like this ? (*Interruption*)

MR. SPEAKER : I have seen so many Parliaments; I have not seen a Member asking a question like this

DR. RANEN SEN : Sir, may I know from the hon. Defence Minister whether it is a fact that incessant violations of our territory and invasion inside the territory of India are taking place ? It should be recalled that Pakistani forces invaded and came inside the Indian territory of Boyra, which is situated in my constituency, and killed five persons.

MR. SPEAKER : Order, order.

DR. RANEN SEN : Just one minute. On the 19th of May, they bombarded the chekpost of Bongaon-Petrapole, May I know in spite of all this, what is the Government order to our army men—whether it is an order to retaliate or to repulse these attacks or just to send notes from the city of New Delhi ? I want to know the answer from the hon. Defence Minister.

SHRI JAGJIWAN RAM : If the hon. Member has listened to the orignal answer, he will find that in the last sentence, I have said that our security forces have instructions to deal with the intrusions. (*Interruptions*)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष

महोदय, अभी सुरक्षा मंत्री जी ने कहा—हमारे सुरक्षा दलों को यह आदेश दिया गया है कि जब इस प्रकार की आक्रमणात्मक कार्यवाहियां होती हैं, तो वे उनसे निपटें। मैं जानना चाहता हूँ कि हमारे सुरक्षा दलों ने इस निर्देश का क्या अर्थ लगाया है ? अभी सुरक्षा मंत्री जी ने अपने उत्तर में कहा है कि पाकिस्तान की वायु-सेना ने हमारी वायु-सीमा का 16 बार उल्लंघन किया। क्या हमने अपनी वायु-सेना को आदेश दिया है कि यदि पाकिस्तान हमारी वायु-सीमा का अतिक्रमण करे तो उन के हवाई जहाज गिरा दिये जाएं ? यदि यह आदेश नहीं दिया, तो सुरक्षा दल इस प्रकार की कार्यवाहियों में ढील करें, इस का क्या मतलब है ?

श्री जगजीवन राम : मैंने अपने उत्तर में यही पढ़ा था—

"Our security forces have instructions to take appropriate action against Pakistani intrusions,"

It clearly means that if there is an intrusion, the intruders have to be thrown out of our territory. If there are intrusions by aircraft and if they do not respond and return back, they have to be shot down. That is quite clear.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया गया। रक्षा मंत्री ने इस बात को माना है कि पाकिस्तान की वायु-सेना 16 बार हमारी सीमा में घुस आई और रक्षा मंत्री महोदय कहते हैं कि हमने आदेश दिया है कि उचित कार्यवाही की जाय। क्या उचित कार्यवाही में यह भी शामिल है कि पाकिस्तान के हवाई जहाज गिरा दिये जाएं ?

श्री जगजीवन राम : मैंने यही कहा है कि अगर घुसपैठ का कोई हवाई जहाज हमारी बिना अनुमति के हमारी सीमा में आ जाता है और हम को यह मालूम हो जाता है कि वह आ गया है, हमारे पूछने पर भी वह भागता नहीं है तो आदेश यही है कि उसको मारकर गिरा दिया जाय।

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

पूर्वी बंगाल के बारे में संसद् द्वारा पारित किया गया संकल्प

*2. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि पूर्वी बंगाल की जनता के प्रति भारत की जनता की सहानुभूति प्रकट करने तथा उनका समर्थन करने के संबंध में संसद् द्वारा सर्वसम्मति से 31 मार्च, 1971 को पारित संकल्प को कार्यान्वित करने के लिए सरकार ने अब तक क्या कार्यवाही की है ?

विदेश मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : संकल्प की प्रतियां नई दिल्ली में विदेशी सरकारों के प्रतिनिधियों को तथा साथ ही जिस-जिस देश में हमारे मिशन हैं, उन मिशनों के अध्यक्षों द्वारा वहां की सरकारों को तथा संयुक्त राष्ट्र के महासचिव को दे दी गयी थी। सरकार ने विदेशी सरकारों से यह भी अनुरोध किया है कि वे पूर्व बंगाल में नागरिकों के जनसंहार तथा मानव अधिकारों के दमन को तुरंत रोकने के लिए पाकिस्तान सरकार पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करें। सरकार ने इस मामले को 'इकोसोक' की सामाजिक परिषद् में उठाया है। सरकार ने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव से तथा उनके जरिए अन्य संबद्ध अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से भारत में पूर्व बंगाल के शरणार्थियों को तत्काल सहायता देने के लिए सरकारी तथा गैर-सरकारी एजेन्सियों के जरिए राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रयत्न करने का अनुरोध किया है।